www.maharashtracrimes.in www.maharashtracrimes.blogspot.in
Email : editor@maharashtracrimes.in maharashtracrimes@gmail.com

RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

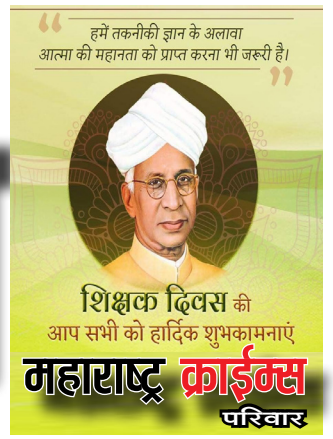

वर्ष 21 | अंक 11 | मुंबई, 05 सितंबर 2022 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षकों के आशीर्वाद से चल रहे हैं नवी मुंबई में

बिंगो रोलेट जैसे अवैध जुगार के अड्डे

म. क्रा. विशेष संवाददाता

नवी मुंबई, संवाददाता द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार नवी मुंबई पुलिस आयुत्तश्वयालय के अंतर्गत आने वाले वाशी पुलिस थाने,ए.पी. एम.सी.पुलिस थाने, कोपरखैरणे पुलिस थाने और सानपाड़ा पुलिस थाने, के अंतर्गत कुल ग्यारह जगहों पर बिंगो रोलेट जैसे अवैध जुए के अड्डे खुलेआम चल रहे हैं और इस विषय में स्थानीय पुलिस को इस **बिंगो रोलेट** जैसे खतरनाक जुए की जानकारी नही है। नवी मुंबई परिसर में कई लोग इस बात को मानते है की इस बिंगो रोलेट जैसे गेम की जानकारी से नवी मुंबई पुलिस पूरी तरह से बेखबर है ।

इस विषय में हमारे नासिक के संवाददाता श्री गोविंद भोसले द्वारा प्राप्त जानकारी के आधार पर इस **बिंगो रोलेट** गेम (जुआ) में किस तरह से लोग लालच में आकर बर्बाद होते है और कितने लोगो ने आत्महत्या करने की कोशिश की और लोगो ने आत्महत्या की भी है । इसी के साथ नासिक जिले में कई लोगो ने इस तरह के **बिंगो रोलेट** जैसे जुए के खिलाफ पुलिस प्रशासन में शिकायत भी की है। जनता की शिकायत पर नासिक जिले के पुलिस अधीक्षक श्री सचिन पाटिल ने आज पूरे नासिक में इस अवैध बिंगो रोलेट पर सक्त प्रतिबंध लगा दी है। इसी के आधार पर हमने वर्ष - २१, अंक - ०९, जुलाई की ०५ तारीख के रोज खबर प्रकाशित किया । प्रकाशित किये गये खबरों के साथ हमने नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त, सह पुलिस आयुक्त, अप्पर पुलिस आयुक्त.गुन्हे पुलिस उपायुक्त गुन्हे और पुलिस उपायुक्त परिमंडल क्र १ वाशी.इन्ही के साथ वाशी पुलिस थाने. ए.पी.एम. सी. पुलिस थाना, कोपरखैरना पुलिस थाने.और सानपाड़ा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को लिखित रूप में जानकारी दि थी.।

जानकारी दिये जाने के बाद भी इन ग्यारह जगहों पर किसी भी तरह की स्थानीय पुलिस द्वारा कोई कानूनी कारवाई नहीं की गई। इस पर दिनांक ०६/०८/२०२२ के रोज दोबारा लिखित रूप से स्मरण पत्र द्वारा जानकारी नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त, सह पुलिस आयुक्त, अप्पर पुलिस आयुक्त (गुन्हे), पुलिस उपायुक्त (गुन्हे) और पुलिस उपायुक्त परिमंडल क्र -१ को दी गई । दोबारा जानकारी दिये जाने के बाद भी इन अवैध **बिंगो रोलेट** जैसे जुए के अड्डों पर वाशी पुलिस थाना, ए.पी.एम.सी.पुलिस थाना, कोपर खैरणे पुलिस थाना और सानपाडा

पुलिस थाना द्वारा किसी भी तरह की कोई कानूनी कारवाई नही किये जाने पर अब लोग यह समझ चुके है की यह बिंगो रोलेट जुआ (गेम) वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के आशीर्वाद चल रहे है ।

स्थानीय जानकर यह बताते है की हर सप्ताह में एक से दो बिंगो रोलेट की नई दुकान की शुरूवात होती जा है।

यह खबर प्रकाशित होने तक पूरे नवी मुंबई में चालीस से पैंतालिस बिंगो रोलेट के अवैध जुए के धंधे चल रहे है। **वाशी पुलिस थाना** के हद में चलने वाले बिंगो रोलेट से वाशी पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश चौहान को हर माह प्रति बिंगो रोलेट के अड्डे से १,६०,००० (एक लाख साठ हजार) रुपये मिलते है और सभी बिंगो रोलेट के अड्डो से रुपये वसूलने का जिम्मेदारी रमेश चव्हाण ने विजय पाटिल (मोबाईल - ९८२१९३५१०४)नामक पुलिस

रमेश चव्हाण (व.पु.नि.)
वाशी पुलिस थाना

अधिकारी को दी है, जो बड़ी जिम्मेदारी के साथ वाशी परिसर में चलने वाले अवैध बिंगो रोलेट से हर महीने लगन के साथ वसूलते है ।

इसी तरह से कोपरखैरणे पुलिस थाना की हद में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रदीप तिदार के आशीर्वाद से भी बिंगो रोलेट के अवैध धंधे खुलेआम चल रहे है । प्रदीप तिदार साहब का इतिहास इतना अच्छा है कि यह साहब तो अवैध तरह से रुपये लेने में इतने माहिर है कि शिकायतकर्ता को पता तक नहीं चलेगा कि उनके साथ क्या हो रहा है? और जिसके खिलाफ शिकायत होगी उससे बाहर ही होटल में मिलकर रुपये लेकर मामले को इस तरह से रफादफा कर देंगे कि किसी के समझ में भी नहीं आएगा? इस बात का गवाह 'महाराष्ट्र क्राइम्स' के पत्रकार खुद है ।

प्रदीप तिदार कोपरखैरणे पुलिस थाना से पहले नवी मुंबई के अंतर्गत आने वाले खारघर पुलिस थाना में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के पद पर रह चुके हैं।

हमारी जानकारी के अनुसार खारघर सेक्टर-४, प्लाट क्र ५०, सीवुड हेरिटेज, दुकान क्र. २९ में एन्जल फ्लोरा सलून एंड स्पा के आड़ में जीनत शेख उर्फ पूजा पटेल नामक महिला जो मजबूर लड़कियों को रख कर उन लड़कियों से देह व्यपार का धंधा चलाया करती थी। इस बात की जानकारी नवी मुंबई की जन सेवा मार्ग दर्शन ऑगेनाइजेशन (एन.जी.ओ.) नामक संस्था के पदाधिकारी श्री रोशन राज मोहन को परिसर के कई लोगों इस बात की लिखित शिकायत दी। शिकायत के आधार पर श्री रोशन राज मोहन और श्री रजा खान (संस्था अध्यक्ष) ने मामले की सच्चाई जानने के लिये दिनांक ०७/०२/२०२०/के रोज एंजल फ्लोर स्पा में जाकर मसाज लिया मसाज लेते समय इन्होने अपने मोबाईल से मालकिन किस तरह से लडकियों से देह व्यापार कराती है। यह सब मोबाईल में कैद कर लिया और दूसरे दिन इन्होंने जन सेवा मार्ग दर्शन ऑगेनाईजेशन नामक

प्रदीप तिदार (व.पु.नि.)
कोपरखैरणे पुलिस थाना

एन.जी.ओ.के लेटर हेड पर एंजल फ्लोरा सलून एंड स्पा में चलने वाली अश्लील गतिविधियों की ३० मिनट की बनाई गई विडिओ की एक मेमरी कार्ड के साथ लिखित रूप में खारघर पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रदीप तिदार को दी। शिकायत पत्र दिये जाने के बाद २२ दिनों तक जब प्रदीप तिदार द्वारा किसी भी तरह की कोई कानूनी कारवाई नही किये जाने के बाद, दिनांक २९/०२/२०२० के रोज श्री रोशन राज मोहन ने दूसरा पत्र (पेज ८ पर....)

DigiTechno Enterprise

दत्ता माने
प्रोप्रायटर - डीजी टेक्नो एंटरप्राइज
8976023002

आगामी आकर्षण...

मुंबई से गरीब और लाचार लड़कियों से गुजरात व अन्य राज्य में देहव्यापार का धंधा कराने वाले गौरव संतोष विश्वास और सहयोगी रिटा की काली सच्चाई

- द्वारा दत्ता माने

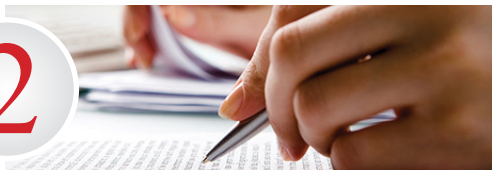

संपादकीय

सियासी चंदे का खेल !

राजनीति और चुनाव के नाम पर जो अंधेरगर्दी रही है, उस पर से आयकर विभाग ने परदा कुछ हटा दिया है। राजनीतिक दलों की आड़ में बहुत कुछ ऐसा होता आया है, जिस पर चुनाव आयोग या सरकार की निगाह नहीं थी। आयकर विभाग ने दिल्ली, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा और कर्नाटक में करीब 205 ठिकानों पर छापे मारे हैं और अनेक कथित राजनीतिक दलों का भंडाफोड़ किया है। यह शर्मनाक बात है कि झुग्गियों, गुमटियों से भी राजनीतिक दल चल रहे हैं और करोड़ों रुपये के वारे-न्यारे कर रहे हैं। आयकर अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में एक ऐसी पंजीकृत, पर गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी का पता लगाया, जो घड़ी मरम्मत करने की दुकान से संचालित होती थी और जिसने पिछले तीन वर्षों में चंदे के रूप में 370 करोड़ रुपये स्वीकार किए थे।

जाहिर है, आयकर विभाग के लिए उस व्यक्ति का पता लगाना जरूरी हो गया, जो एक राजनीतिक पार्टी के नाम पर अरबों रुपये के वारे-न्यारे कर रहा है। घड़ी दुकान के मालिक के अलावा ऐसे राजनीतिक दल के मालिक की धर-पकड़ भी जरूरी है, जिसके लिए राजनीति या पार्टी एक कारोबार मात्र है। ऐसी पार्टियां न जाने कब से काला कारोबार चला रही हैं? वास्तव में, यह गंभीर अपराध है कि ऐसे अनेक कथित राजनीतिक दल काले धन के शोधन या आयकर बचाने के कारोबार में लगे हैं। पता यह चल रहा है कि ऐसे दलों को धन शोधन के एवज में तीन से पांच प्रतिशत कमीशन मिलता है। मतलब, जिस कथित पार्टी प्रमुख ने 300 करोड़ रुपये को चंदा स्वरूप लेकर काले से सफेद बनाया है, उसे नौ करोड़ रुपये का फायदा हुआ होगा। यदि कोई एक राजनीतिक पार्टी का पंजीकरण भर करा ले, चुनाव भी न लड़े, तब भी करोड़पति बन सकता है?

फिर सवाल उठता है कि ऐसी गैर-मान्यता प्राप्त पंजीकृत पार्टियों से किसको लाभ है? ऐसी पार्टियां न तो जमीनी संघर्ष कर रही हैं और न ही नैतिकता का पालन। इनका एक ही काम है, समाज में भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप से मजबूत करना। मुंबई की एक झुग्गी से ऐसी पार्टी चल रही है, जिसे दो साल में 100 करोड़ रुपये चंदे में मिले हैं, मतलब इस पार्टी का मुखिया दो साल में तीन करोड़ रुपये कमा गया। यह गलत परिपाटी या आर्थिक भ्रष्टाचार उन लोगों के साथ अन्याय है, जो वास्तव में बहुत संघर्ष करके दो जून की रोटी जुटाते हैं। राजनीतिक दलों के पंजीकरण को इसलिए उदार नहीं बनाया गया था कि कोई पार्टी अपना धंधा चमकाने लगे। वास्तव में, राजनीतिक पार्टियों को जब कोई चंदा देता है, तो उतनी राशि पर उसे आयकर में छूट का लाभ भी मिलता है। काफी सारा पैसा राजनीतिक दलों के पास ऐसा आता है, जिसके स्रोत का खुलासा नहीं करना पड़ता है। दान या चंदे को राजनीतिक दल आसानी से छिपा सकते हैं, क्योंकि उनकी नकेल कसने का कोई विशेष इंतजाम नहीं है। जब भी चंदे को आधिकारिक या पूरी तरह से घोषित या पारदर्शी बनाने की चर्चा होती है, तब बडे.राजनीतिक दल आगे बढ़कर अपनी अबाध आर्थिक आजादी सुनिश्चित करते हैं। आयकर विभाग ने इस सिलसिले में छापे मारकर साहसिक काम किया है। यह प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। बड़े दलों के खातों की भी पड़ताल होनी चाहिए। यह न्यायोचित नहीं कि महज छोटे दलों को ही निशाना बनाया जाए। चुनाव आयोग को भी सक्रिय होना चाहिए, जब 55 पार्टियां ही मान्यता प्राप्त हैं, तो 2,000 से ज्यादा अन्य पंजीकृत पार्टियां किस काम में लगी हैं?

स्वदेशी मेधा का विक्रांत !

नये रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। देश को बहुत जल्दी प्रयास करने होंगे कि हम रक्षा उत्पादों के निर्माण में आत्मनिर्भर बनें। जिससे न केवल सेना बल्कि पूरे देश का मनोबल ऊंचा हो सकेगा। इस पोत की ऊर्जा पैदा करने की क्षमता एक अतिरिक्त लाभ है जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह पोत स्वयं इतनी ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम है जिसके जरिये पांच हजार से अधिक घरों को रोशनी हेतु बिजली की आपूर्ति की जा सकती है।

देश को पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत का मिलना जहां आत्मनिर्भर भारत की एक उपलब्धि है, वहीं यह नौसेना का मनोबल बढ़ाने वाली पहल भी है। हिंद प्रशांत क्षेत्र में जिस तरह की चुनौती चीन पूरी दुनिया को पेश कर रहा है, उसके मद्देनजर भारतीय समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के लिये यह बेहद जरूरी भी था। निस्संदेह, आईएनएस विक्रांत समुद्री क्षेत्र में उत्पन्न तमाम चुनौतियों को भारत का जवाब है। देश की एक बड़ी उपलब्धि यह भी है कि भारत अब विमानवाहक युद्धपोत बनाने वाले विकसित देशों की पंक्ति में शामिल हो गया है। जिससे देश न केवल दुर्लभ विदेशी मुद्रा बचा सकेगा बल्कि कालांतर युद्धपोत निर्माण की विश्व स्पर्धा में भी शामिल हो सकेगा। बज़र्ते आईएनएस विक्रांत निर्माण में लगे अधिक समय की पुनरावृत्ति न हो। निस्संदेह, पहले उद्यम का निर्माण चुनौती होता है, लेकिन वह सफलता का आगे का मार्ग जरूर प्रशस्त कर देता है। इस युद्धपोत के निर्माण में जिस तरह भारतीय कंपनियों व उद्योगों ने भागीदारी निभायी, उससे देश में नये रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। देश को बहुत जल्दी प्रयास करने होंगे कि हम रक्षा उत्पादों के निर्माण में आत्मनिर्भर बनें। जिससे न केवल सेना बल्कि पूरे देश का मनोबल ऊंचा हो सकेगा। इस पोत की ऊर्जा पैदा करने की क्षमता एक अतिरिक्त लाभ है जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह पोत स्वयं इतनी ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम है जिसके जरिये पांच हजार से अधिक घरों को रोशनी हेतु बिजली की आपूर्ति की जा सकती है।

निस्संदेह, आईएनएस विक्रांत के क्रियाशील होने से देश के स्वदेशी व आत्मनिर्भरता अभियान को गति मिल सकेगी। अब कोशिश होनी चाहिए कि सेना की जरूरतों का अधिकांश सामान देश में निर्मित किया जाये। यह प्रयास न केवल रोजगार के नये अवसर विकसित करेगा, बल्कि विदेशी मुद्रा की बचत से बजट घाटे को भी कम कर सकेगा। दरअसल, ब्रिटिश काल में भारतीय मेधा, कारोबार व संसाधनों का दोहन करके देश के मनोबल को गिराया गया। एक समय था कि भविष्य की चुनौतियों को महसूस करते हुए छत्रपति शिवाजी ने नौसेना का निर्माण किया था। यही वजह है कि अब जब ब्रिटिश सत्ता की छाया वाले नौसेना ध्वज को बदला गया तो नये ध्वज में शिवाजी को प्रतिष्ठा दी गई है। विडंबना ही है कि देश के जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आजादी के सात दशक बाद भी परतंत्रता के प्रतीक बने रहे हैं। बहरहाल, ऐसे समय में जब पड़ोसी देशों द्वारा भारतीय संप्रभुता को चुनौती दी जा रही है, हमें रक्षा उपकरणों के स्वदेशी निर्माण को प्राथमिकता देनी होगी। तभी हम सैन्य उपकरणों के सबसे बड़े आयातक से निर्यातक बन सकेंगे। आईएनएस विक्रांत के राष्ट्र को समर्पण के समय नौसेना ने महत्वपूर्ण घोषणा की है कि नौसेना की सभी शाखाएं महिलाओं के लिये खोली जायेंगी। यानी अब नौसेना की ताकत में नारी शक्ति का भी विशेष योगदान रहेगा।

सागर की गहन शक्ति के साथ महिला शक्ति का बेहतर सामंजस्य। हालांकि, फिलहाल भी थल व नभ सेना के मुकाबले नौसेना में महिलाओं का प्रतिशत ज्यादा है,लेकिन अब उसमें और अधिक वृद्धि होगी।

लिज ट्रस की जीत... !

अगर वह सेवा में लगे रहे, तो ब्रिटेन में उनका भविष्य उज्ज्वल है। उनकी सफलता न केवल भारतीय मूल के लोगों, बल्कि विदेशी मूल के तमाम लोगों का ब्रिटेन में मनोबल बढ़ाएगी। ज्यादा अनुभवी ब्रिटिश नेता लिज ट्रस की यह जीत बहुत मायने रखती है। वह ब्रिटेन की तीसरी महिला प्रधानमंत्री बनेंगी।

लगभग दो महीने इंतजार के बाद ब्रिटेन को अपना नया नेता मिल गया है। कंजर्वेटिव या दक्षिणपंथी नेता लिज ट्रस देश की नई प्रधानमंत्री होंगी। राजनीतिक संकट के बाद प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने 7 जुलाई को इस्तीफा दे दिया था, पर नया प्रधानमंत्री चुने जाने तक वह पद पर रहे। अब लिज ट्रस प्रधानमंत्री पद के लिए शपथ लेंगी। खास यह है कि ट्रस का मुकाबला ऋषि सुनक से था। एक तरह से सुनक ने ही जॉनसन के खिलाफ बगावत की बिगुल की शुरूआत की थी। सुनक उनके वित्त मंत्री थे, जबकि लिज ट्रस विदेश मंत्री। ट्रस को अपेक्षाकृत उदार देखा गया, जबकि सुनक चुनाव को लेकर कुछ ज्यादा सक्रिय थे। यही कारण है कि निवर्तमान प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन भी लिज के समर्थन में दिख रहे थे। अंततः लिज ट्रस ने पार्टी के अंदर हुए चुनाव में सुनक को काफी पीछे छोड़ दिया। आखिरी चरण में ट्रस को 81,326 वोट हासिल हुए, जबकि सुनक को 60,399 वोट मिले। जो नतीजे आए हैं, उन पर किसी को आश्चर्य नहीं है। पिछले पंद्रह दिन से लगभग यह तय लग रहा था कि ट्रस मुकाबले में आगे निकल गई है। गौर करने की बात है कि पार्टी के सांसदों ने सुनक के पक्ष में वोट दिया था और उनका प्रधानमंत्री बनना एक समय तय लग रहा था, लेकिन पार्टी प्रतिनिधियों के बीच चुनाव की शुरूआत हुई, तो धीरे-धीरे सुनक की लोकप्रियता घटती गई और लिज ट्रस मजबूती के साथ सामने आती गईं। अंतिम चरण में सुनक की हार कतई निराशा का कारण नहीं है। लिज एक अच्छी नेता हैं और ज्यादा अनुभवी भी। सुनक की निष्ठा पर वह सवाल खड़े करने में सफल रही हैं। सुनक दरअसल भारतीय उद्यमी नारायणमूर्ति के दामाद हैं और उनकी पत्नी अभी भी ब्रिटेन में टैक्स नहीं देती हैं और इसके अलावा सुनक ग्रीन कार्ड होल्डर हैं, मतलब जरूरत पड़ने पर वह अमेरिका काम करने जा सकते हैं। इन बातों का जब ट्रस ने प्रचार किया, तो इसका काफी असर पड़ा, पर गौर करने की बात है कि एक कुशल वित्त सलाहकार ऋषि सुनक का यहां तक पहुंचना बहुत गर्व की बात है। वैसे सुनक के पास पर्याप्त समय है, वह अभी महज 42 साल के हैं। अगर वह सेवा में लगे रहे, तो ब्रिटेन में उनका भविष्य उज्ज्वल है। उनकी सफलता न केवल भारतीय मूल के लोगों, बल्कि विदेशी मूल के तमाम लोगों का ब्रिटेन में मनोबल बढ़ाएगी। ज्यादा

अनुभवी ब्रिटिश नेता लिज ट्रस की यह जीत बहुत मायने रखती है। वह ब्रिटेन की तीसरी महिला प्रधानमंत्री बनेंगी। उनके पहले वहां दो महिलाओं को यह गौरव हासिल हुआ है। मार्गरेट थैचर ग्यारह साल (1979-1990) से ज्यादा समय तक देश की प्रधानमंत्री रही थीं और तीन चुनावों में उन्हें जीत हासिल हुई थी। उसके बाद थेरेसा मे तीन साल प्रधानमंत्री रही थीं। अब ट्रस पर जिम्मेदारी आ पड़ी है कि वह पार्टी को अगले चुनाव में जीत दिलाएं। ब्रिटेन आज आंतरिक और विदेशी मोर्चों पर कई चुनौतियों से गुजर रहा है। संघर्ष करते हुए राजनीति में शिखर पर पहुंची ट्रस को नए ब्रिटेन के निर्माण की मशाल को आगे ले जाना है। यह नया ब्रिटेन, जहां ऋषि सुनक जैसे नेताओं के लिए भी पूरी जगह है। अपने-अपने देशों में राजनीतिक नेतृत्व करने के लिए लालायित भारतवंशी नेताओं को सबक लेना चाहिए।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 सितंबर 2022

शरद पवार के गढ़ में BJP झोंकेगी ताकत!

देवेंद्र फडणवीस ने बताया क्या है 'मिशन महाराष्ट्र'

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गढ़ बारामती निर्वाचन क्षेत्र भारतीय जनता पार्टी के 'मिशन महाराष्ट्र' के तहत आता है. फडणवीस ने कहा कि बृन्हमुंबई महानगरपालिका का चुनाव मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और बीजेपी मिलकर लड़ेगी.

महाराष्ट्र : बीजेपी के महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने एनसीपी का गढ़ माने जाने वाले बारामती निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया था. इस संबंध में फडणवीस सवाल किया गया. जिसके जवाब में फडणवीस ने कहा कि 'बीजेपी ने मिशन इंडिया और मिशन महाराष्ट्र बनाया है. चूंकि, बारामती महाराष्ट्र में है इसलिए यह स्पष्ट रूप से मिशन महाराष्ट्र के तहत आता है. बावनकुले ने कहा है कि बीजेपी और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का गठबंधन बारामती सीट 2024 के लोकसभा चुनाव में जीतेगा, जहां से फिलहाल एनसीपी की सुप्रिया सुले सांसद हैं. बीजेपी नेता चंद्रशेखर बावनकुले यह भी दावा किया था कि गठबंधन राज्य की 48 में से 45 लोकसभा सीट पर जीत हासिल करेगा.

ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले को लेकर क्या बोले फडणवीस?

गृह विभाग का जिम्मा संभालने वाले फडणवीस ने कहा कि मुंबई में राज्य सचिवालय में समाज सुधारकों महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले की तस्वीरों को अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि वे लोगों के दिलों में रहते हैं. उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालय नियमों से चलते हैं, इसलिए ऐसे आदेश कई बार जारी किए जाते हैं. मुझे लगता है कि महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले का देश में बहुत सम्मान है.

शिंदे की अगुवाई में लडेंगे बीएमसी चुनाव

यह पूछे जाने पर कि इस तरह की अटकलें हैं कि बीएमसी का चुनाव महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और शिंदे नीत शिवसेना मिलकर लड़ेगी, जबकि बीजेपी चुनाव अकेले लड़ेगी तो फडणवीस ने कहा कि ये सब अफवाह हैं. उन्होंने कहा कि शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और बीजेपी बीएमसी चुनाव मिलकर लड़ेगी. बावनकुले ने कहा था कि बीजेपी ने महाराष्ट्र में बारामती सहित 16 लोकसभा सीट पर अपने आधार का विस्तार करने और उन्हें अगले चुनाव में जीतने के लिए प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है.

सीएम एकनाथ शिंदे के आवास पर पहुंचे राज ठाकरे

निकाय चुनाव को लेकर चर्चा की संभावना

महाराष्ट्र : राज्य में निकाय चुनाव से पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे मंगलवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आवास पर पहुंचे। इससे पहले पिछले हफ्ते शिंदे ने राज ठाकरे के आवास पर पहुंचकर गणपति बप्पा के दर्शन किए थे। इसके बाद से चर्चा शुरू हो गई थी कि बीएमसी चुनाव में शिंदे और ठाकरे एकसाथ नजर आ सकते हैं।

मनसे प्रमुख ने पिछले महीने भाजपा के नेताओं से भी मुलाकात की थी जिससे यह चर्चा शुरू हो गई थी कि भगवा पार्टी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ गठजोड़ कर सकती है। भाजपा वर्तमान में शिवसेना के शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े के साथ गठबंधन में है।

इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता फडणवीस ने भाजपा कार्यकताओं से इस बार के बीएमसी चुनाव में पूरी ताकत झोंकने की अपील की है। सोमवार को मुंबई दौरे पर आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी भाजपा कार्यकताओं से मुलाकात की और 150 से ज्यादा सीटों पर जीत का भरोसा दिलाया। शाह ने साफ किया कि भाजपा अगला बीएमसी चुनाव देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में लड़ेगी। फडणवीस, शिंदे के साथ बीएमसी चुनाव को लेकर कई बार बैठकें कर चुके हैं।

ई-चालान काटने के लिए न करें मोबाइल का उपयोग...!

नियम तोड़ने पर यातायात पुलिस के खिलाफ होगी कार्रवाई

मुंबई : राज्य के सभी वाहन चालकों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। यदि आप यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो आपके खिलाफ कार्रवाई करने वाली पुलिस को अब यातायात पुलिस प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने पर कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। राज्य के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कुलवंत के सारंगल ने एक सर्कुलर जारी कर पुलिस द्वारा वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते समय निजी वाहनों या उनके निजी मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने के निर्देश दिए हैं. ऐसा नहीं करने पर ट्रैफिक पुलिस को दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। दिए गये निर्देश के अनुसार मोटर चालकों को दंडात्मक कार्रवाई के दौरान तस्वीरें लेने के लिए अपने निजी मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करना चाहिए। अगर कोई निजी मोबाइल का इस्तेमाल करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जारी परिपत्र के मुताबिक कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं कि कुछ अधिकारी और अधिकारी ई-चालान मशीन के माध्यम से बिना कोई कार्रवाई किए अपने निजी मोबाइल पर फोटो लेते हैं। इसलिए ट्रैफिक पुलिस से उम्मीद की जाती है कि वह चालान मशीन के जरिए ही फोटो खींचेगी। ऐसा नहीं करने पर संबंधित पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वाहन चालकों को दंडित करते समय वे अपने निजी मोबाइल पर वाहन की फोटो या वीडियो लेते हैं और कुछ समय बाद ई-चालान मशीन में फोटो अपलोड कर देते हैं।

एक ही गांव के तीन होनहारों ने नीट उत्तीर्ण कर बढ़ाया मान, गांव में जश्न का माहौल

साकिब हाशमी हिबा फारूकी

साकिब हाशमी

डुमरियागंज। एमबीबीएस में प्रवेश के लिए जारी हुए नीट के परिणाम में जिले के छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

तहसील क्षेत्र के ग्राम बसडिलिया के तीन होनहारों ने नीट उत्तीर्ण कर गांव सहित जिले का नाम रोशन किया है। इनमें दो सगी बहनें और एक युवक है।

बसडीलिया निवासी मोहम्मद शफीक के बेटे मोहम्मद साकिब तथा चिकित्सक डॉ. आसिम फारुकी की बेटी हिना फारुकी और हिबा फारूकी ने ऑल इंडिया नीट उत्तीर्ण की है। ऑल इंडिया रैंक में हिना फारुकी ने 1224वाँ, साकिब हाशमी ने 3251वीं और हिबा फारूकी ने 964 वीं रैंक हसिल की है। नीट क्वालीफाई करने पर गांव सहित क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है।

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जहोर अहमद फारुकी ने मिठाई खिलाकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान शमीम अहमद, आराज फारुकी, सलीम अहमद, करम हुसैन, इरशाद, मुगिश अहमद मौजूद थे।

सफाई कर्मी के पुत्र शिवम ने नाम रोशन किया

सिद्धार्थनगर, शहर के धरौली निवासी, सफाई कर्मी राजीव उर्फ राजू सिंह के पुत्र शिवम सिंह ने नीट उत्तीर्ण किया है। उन्होंने बताया कि शिवम ने 615 अंक प्राप्त किए है, जिसकी ऑल इंडिया रैंक 14779 है। गजू सिंह उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष हैं, जबकि शिवम के बड़े पिता नवीन कुमार पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दफ्तरी हैं।

आप पर सिर्फ अपनी नहीं, बल्कि पूरे परिवार की जिम्मेदारी है। फिर बात चाहे हेल्थ की ही क्यों न हो। फैमिली के हेल्दी रहने की रिस्पॉन्सिबिलिटी पूरी तरह आपकी ही है। थोड़ी सी सावधानी बरत कर आप इस कार्य पर आसानी से कामयाबी पा सकती हैं कैसे?

रखे परिवार के स्वास्थ्य का ख्याल

अगर आपकी फैमिली हेल्दी और हैप्पी है, तो जाहिर है कि आप भी हैप्पी होंगी, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं है कि आजकल की टफ और फास्ट लाइफ में पूरी फैमिली के हाइजीन और न्यूट्रिशन का ख्याल रखना आपके लिए किसी चैलेंज से कम नहीं। ऐसे में फैमिली की हेल्थ आपकी टॉप प्रायरिटी है और इसे अच्छा बनाए रखना बेहद जरूरी है।

जरूरी है न्यूट्रिशन

आपकी फैमिली की हेल्थ कैसी है, यह इस बात पर डिपेंड करता है कि आपके फैमिली मेंबर्स क्या खाते हैं। कोशिश करें कि वे न्यूट्रिशंस से भरपूर घर का बना खाना ही खाएं। अगर उन्हें फ्रूट्स खाने की आदत नहीं है, तो इसकी शुरुआत आप ब्रेकफास्ट से कर सकती हैं। उन्हें ब्रेकफास्ट में उनके पसंदीदा फूड के एक-दो पीस जरूर दें। आप टीनएजर्स को फ्रूट्स और वेजिटेबल्स से होने वाले स्किन ग्लो, एनर्जी लेवल बढ़ने व ऐसे दूसरे बेनिफिट्स के बारे में बता सकती हैं।

जंक फूड हो स्पेशल

बात हेल्थ की हो रही है, तो जंक फूड को अवॉइड करना ही बेहतर है, लेकिन फिर भी बच्चे इसकी डिमांड करते हैं, तो उन्हें कुछ मजेदार खिलाने के लिए आपको थोड़ा क्रिएटिव बनना होगा। मतलब ये हुआ कि आपको किचन में कुछ एक्सपेरिमेंट्स करने होंगे। बच्चों को विट पास्ता विद वेजिटेबल्स, वेज सैंडविच या ऐसी दूसरी डिशेज बनाकर खिलाई जा सकती हैं।

हाइजीन और हैबिट्स

आपकी फैमिली को इटिंग, हाइजीन व क्लिनिंग से जुड़ी अच्छी आदतों के बारे में पता होना चाहिए। उन्हें बताएं कि खाने से पहले हाथ जरूर धो लें। जल्दी-जल्दी खाने की बजाय धीरे- धीरे चबाकर खाएं। अक्सर बच्चे खेलते-कूदते हुए खाते हैं, जिससे उन्हें डाइजेशन में प्रॉब्लम हो सकती है। उन्हें खाने से तुरंत पहले और खाने के फौरन बाद पानी पीने से रोकें। इसके अलावा बच्चों के वेक्सिनेशन का भी ख्याल रखें। डॉ . सिमरन के मुताबिक आपके घर कोई यंग लड़की है तो उसे सर्वाइकल कैंसर का वेक्सीन लगवाया जा सकता है।

मामला इमोशनल हेल्थ का

न सिर्फ फिजिकल हेल्थ, बल्कि आपकी इमोशनल या मेंटल हेल्थ का दुरुस्त होना बेहद जरूरी है। आप दिमागी तौर स्वस्थ रहेंगे, तो किसी भी काम का सक्सेस रेट बढ़ेगा। इसके लिए आप घर में ऐसा माहौल बनाएं, जिसमें सभी खुश रह सकें। कोई भी स्ट्रेस से ग्रस्त नहीं होना चाहिए। आप फैमिली के साथ मूवी देखकर, शॉपिंग या आऊटिंग करके स्ट्रेस को दूर कर सकती हैं।

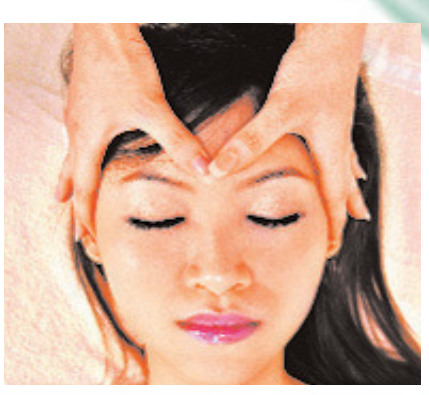

हमेशा रहें सावधान

बेहतर होगा कि आप समय-समय पर फैमिली मेंबर्स का वेट, कोलेस्ट्रॉल लेवल और बीपी वगैरह की जांच कराती रहें। अगर घर में शुगर या बीपी का कोई पेशेंट है, तो घर में ही मशीन रखकर उसकी जांच कर सकती हैं, जिससे वह आउट ऑफ कंट्रोल न हो। ऐसे में किसी बीमारी का समय से पता लगाया जा सकता है। अगर फैमिली में कोई बीमार हो जाए तो सिचुएशन को कंट्रोल करने का जिम्मा आप पर ही होगा। ऐसे में यह देखना भी जरूरी है कि उसकी बीमारी से दूसरों को कोई मानसिक तनाव न हो। बीमार व्यक्ति के प्रति अपना सपोर्ट और प्यार जताना बेहद जरूरी है। छोटी बीमारी तो चंद दिनों के इलाज से ठीक हो जाती है, लेकिन अगर कोई बड़ी बीमारी है तो आपका रोल और भी अहम होगा।

साथ में वॉक

अगर आप फैमिली के साथ वॉक का रूटीन बना लेती है , तो इससे बढ़िया क्या होगा। यूं तो रोजाना वॉक बेस्ट है, लेकिन वीक में कम से कम दो बार ऐसा करने से भी अच्छे रिजल्ट दिखेंगे। किड्स को आउटडोर गेम्स की तरफ मोटिवेट करें। ये सही है कि इनडोर गेम्स, इंटरनेट बच्चों को दिमागी तौर पर हेल्दी बनाते हैं, लेकिन फिजिकल फिटनेस के लिए आउटडोर एक्टिविटीस भी जरूरी है। फिटनेस एक्सपर्ट डॉ. जीशान अहमद का कहना है कि आजकल सर्वाइकल की प्रॉब्लम बहुत बढ़ रही है। ऐसे में आप बच्चों को या बड़ों को ज्यादा देर तक एक ही पॉस्चर में टीवी देखने या कोई इनडोर गेम खेलने से रोकें।

काम के रूल्स

बच्चों को हेल्थ संबंधी अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ रूल्स तय करने का आइडिया भी बुरा नहीं है। वैसे, अगर घर के बड़े और बच्चे इन रूल्स को फॉलो कर लेते हैं, तो न सिर्फ उनकी हेल्थ अच्छी बनेगी, बल्कि उनमें अनुशासन की भावना भी पनपेगी। इसके अलावा उन्हें प्रेरित करने के लिए बड़े सिलेब्रिटिज के उदाहरण भी दिए जा सकते हैं।

दवाओं को नो

कई घरों में ऐसा माहौल होता है कि छोटी सी तकलीफ पर भी वे तुरंत पिल्स ले लेते हैं। अगर आप भी ऐसा कर रही हैं, तो इसे तुरंत रोकें। ऐसे में आप दवाओं के बिना घरेलू उपचार अपना सकती हैं। मसलन, हैवी डिनर के बाद अगर कोई इनडाइजेशन महसूस कर रहा है तो पिल देने की बजाय उसे मिंट की पत्ती दे सकती हैं।

मेष राशि :- मानसिक रूप से खुशी की अनुभूति होगी। नई जगहों पर भ्रमण पर जाएंगे। मित्रों का साथ उत्साहित रखेगा। प्रतिस्पर्धा में आगे रहेंगे। आपके विचारों में काल्पनिकता का समावेश हो सकता है, बेहतर होगा इसका इस्तेमाल आप रचनात्मक कार्यों में करें। किसी नए कार्य की शुरूआत न करें, अच्छे समय का इंतजार करें। किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

वृषभ राशि :- घर में सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। इच्छित वस्तु की प्राप्ति की संभावना है। शुभ कार्यों में रुचि बनी रहेगी। परिजनों के साथ आनंदमय समय बिताएंगे। व्यावसायिक संबंध मजबूत होंगे। अपने लिए कुछ खास करना चाहते हैं तो यह समय एकदम उचित है। अपने आस-पास के लोगों पर गुस्सा आ सकता है। क्रोध पर काबू और खर्च पर नियंत्रण रखें। यात्रा पर जाने से बचें।

मिथुन राशि :- आर्थिक मामलों में बेहतर बने रहेंगे। मित्रों से भेंट होगी। कला कौशल को बल मिलेगा। किसी धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिससे घर में खुशहाली रहेगी। नए कार्य की शुरूआत के लिए समय अच्छा है। कोई शुभ समाचार मिल सकता है। खुद को मानसिक रूप से काफी मजबूत महसूस करेंगे। कामकाज में अधिक समय देने की सोचें। आलस्य से बचें।

कर्क राशि :- आकस्मिक खर्च बढने.से आप तनाव महसूस करेंगे, अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। अपनी जिम्मेदारियों को अच्छे से निभाएंगे। समाज में सराहना और सम्मान की प्राप्ति होगी। परिवार के साथ समय बिताएंगे। परिजनों के साथ घूमने जा सकते हैं। काम की व्यस्तता रहेगी। खान-पान का ध्यान रखें, क्योंकि स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह राशि :- अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में कामयाब होंगे, नौकरी में तरक्की और व्यवसाय में अच्छा मुनाफा होने की संभावना है। अपने ज्ञान और बुद्धि से दूसरों का प्रभावित करेंगे। सफलता और सहयोग के अच्छे संकेत हैं। नई कोशिशों से सभी को आकर्षित करेंगे। अनुशासन का ध्यान रखें। अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें और बाहर का खाना खाने से बचें।

कन्या राशि :- काफी प्रसन्न रहेंगे और भव्यता व सभ्यता पर जोर रहेगा। खर्च और निवेश बढ़ा हुआ रहेगा। लोगों से सराहना मिलेगी। यात्रा में सतर्कता रखें। अनजान लोगों से करीबी बढ़ाने में सावधान रहें। दोस्तों का साथ मिलेगा और उनके साथ समय बिताएंगे। बिना वजह किसी से विवाद करने से बचें, बेवजह झगड़ा हो सकता है। धार्मिक कार्यों की रूझान तरफ रहेगा।

तुला राशि :- गुस्से पर काबू रखें, अन्यथा परिवार वालों के साथ विवाद हो सकता है। कड़वी बातों को नजरअंदाज करने की कोशिश करें। मेहनत और लगन से लक्ष्य पूर्ति में सफल होंगे। साथियों और वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। कार्यस्थल पर थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है। किसी धार्मिक स्थल पर जाकर जरूरतमंद को दान करें, आत्मिक शांति मिलेगी।

वृश्चिक राशि :- अपने परिवार को लेकर चिंतित रहेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। आर्थिक कोशिशें बेहतर बनीं रहेंगी। लाइफ स्टाइल से जुड़ी वस्तुओं के प्रति रुझान बढ़ेगा। घर में सुख सौख्य सौंदर्यबोध बढ़ेगा। पदोन्नति के योग बन रहे हैं, किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। वहीं अगर किसी काम में अड़चन आ रही है तो धैर्यपूर्वक कार्य को पूर्ण करने का प्रयास करें।

धनु राशि :- कारोबार में आर्थिक लाभ रहेगा। धनप्राप्ति के योग बनेंगे। जो भी करेंगे उसमें बेहतर रहेंगे। मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा। परीक्षार्थी उम्मीद के अनुरूप परिणाम पाएंगे। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएंगे। कहीं घूमने भी जा सकते हैं। किसी व्यावसायिक यात्रा पर भी जा सकते हैं, यात्रा से लाभ होगा। किसी वजह से अतिरिक्त खर्च करना पड़ सकता है।

मकर राशि :- कानूनी कार्यों में सफलता मिल सकती है। नई परियोजना को अमल में ला सकते हैं। परिवार में खुशी का वातावरण बना रहेगा। सहजता और सरलता से आगे बढ़ते रहें। मौसम की प्रतिकूलताओं को हल्के में न लें। सेहत के प्रति सजग रहें। घर परिवार में बड़ों का सानिध्य सुख बढ़ाएगा। मानसिक उथल-पुथल का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ राशि :- कारोबार में मुनाफा रहेगा। सभी कार्य आसानी से पूरे होंगे, जिससे खुद पर भरोसा बढ़ेगा। साझा प्रयासों में अधिक सफलता के संकेत हैं। मान-सम्मान में वृद्धि होने से आप बहुत प्रसन्न रहेंगे। मानसिक रूप से काफी हल्का महसूस करेंगे। घर में सुखमय वातावरण रहेगा। वाणिज्यिक गतिविधियों में रुचि बढ़ाने वाला। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद दूर होंगे।

मीन राशि :- कार्य स्थल पर काफी मेहनत करेंगे, जिसका लाभ आगे चलकर मिलेगा। मेहनत और लगन से आगे बढ़ते रहें। घर परिवार में हर्ष आनंद बना रहेगा। खान-पान पर ध्यान देने के साथ-साथ अपने आस-पास स्वच्छता का भी ध्यान रखें, अनावश्यक खर्च करने से बचें। वाणी पर संयम रखें और सोच समझकर बोलें, अन्यथा बेवजह के विवाद में पड़ सकते

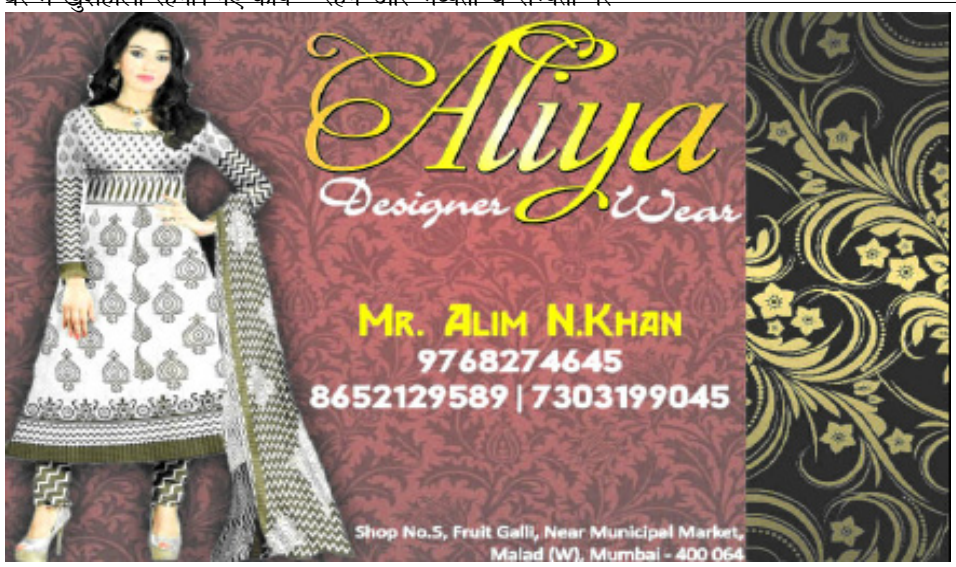

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 सितंबर 2022

बड़वा में हैं अंग्रेजों के जमाने की शानदार चीजें...

(गगनचुंबी हवेलियां, मनमोहक चित्रकारी, कुंड रुपी जलाशय, हाथीखाने, खजाना गृह, कवच रुपी मुख्य ठोस द्वार और न जाने क्या-क्या)-- डॉ- सत्यवान सौरभ

दक्षिण-पश्चिम हरियाणा में शुष्क ग्रामीण इलाकों का विशाल विस्तार है, जो उत्तरी राजस्थान के रेतीले क्षेत्रों से सटे हुए है, यहाँ बड़वा नामक एक समृद्ध गांव स्थित है। यह राजगढ़-बीकानेर राज्य राजमार्ग पर हिसार से 25 किमी दक्षिण में है। गढ़ बड़वा जिसे गाँव में ठाकुरों की गढ़ी (एक किला) कहा जाता है। ठाकुर बाग सिंह तंवर के पूर्वज, जो कि बृजभूषण सिंह के दादा थे, ने 600 साल पहले राजपुताना के जीतपुरा गाँव से आकर अपने और अपने संबंधों के लिए इस गाँव की संपत्ति की नक्काशी की थी। संयोग से, राजपूतों की तंवर शाखा ने भिवानी शहर के आसपास के कई गाँवों में खुद को मजबूती से स्थापित किया था। नतीजतन, भिवानी तंवर खाप का प्रधान बन गया यानी गाँवों का एक समूह। मध्ययुगीन काल में, तंवर राजपूतों ने उस समय की राजनीतिक उथल-पुथल से उखाड़ फेंका जब मुस्लिम आक्रमणकारी इस भूमि पर कब्जा करने और अपना वर्चस्व स्थापित करने की प्रक्रिया में थे, हरियाणा और पहाड़ी क्षेत्रों से हिमाचल प्रदेश में चले गए। हालांकि, मुगल काल में, तंवर राजपूत शांतिपूर्वक भिवानी के आसपास अपने गाँव में व्यापार करते थे। लगभग 15,000 की आबादी वाला बड़वा का गाँव, अब भिवानी जिले का एक हिस्सा है।

बाग सिंह तंवर के पूर्वजों, जिन्होंने बारिश के पानी से भरे एक बड़े प्राकृतिक तालाब के आसपास झोपड़ियों में बसे थे, ने गाँव में 14,000 बीघा जमीन पर कब्जा कर लिया था। नतीजतन, बहुत सारी जमीन गांव में उनके वंशजों और अन्य समुदायों को हस्तांतरित कर दी गई थी। मौजूदा गढ़ी, एक मध्ययुगीन शैली का एक विशाल स्मारक, जिसे ब्रांसा भवन भी कहा जाता है, रामसर नामक एक बड़े तालाब के किनारे गाँव के उत्तर-पश्चिम में स्थित है, जिसे 1938 में बनाया गया था, जो गाँव के पुराने लोगों के अनुसार था एक साल मानसून की विफलता के कारण, फसलों को उस वर्ष नहीं उगाया नहीं जा सका। इसलिए, बाग सिंह ने गढ़ी के निर्माण में अपने रिश्तेदारों को शामिल करने के बारे में सोचा और उपयोगी रोजगार पाया। रेतीले टीले पर पारंपरिक स्थापत्य शैली में निर्मित गढ़ी में आज भी लोहे की प्लेट और लकड़ी का एक बड़ा और मजबूत गेट है। आवास और सार्वजनिक उपस्थिति के लिए कई विशाल कमरे, पुआल और अनाज के भंडारण के लिए कई तिमाहियों की एक पंक्ति बिल्डरों द्वारा प्रदान किए गए थे।

गगनचुंबी हवेलियां, मनमोहक चित्रकारी, सूक्ष्म नमूनों से सजे कपाट, कुंड रुपी जलाश्य, हाथीखाने, खजाना गृह की मजबूत दीवार, कवच रुपी मुख्य ठोस द्वार और न जाने क्या क्या। मन में गहरी जिज्ञासा पैदा करती हैं, ये हवेलियां। इन्हें बनाने वालों ने उम्र ही यहां बिता दी। इनकी कब्रें मृत्युपरांत यहीं बनाई गईं। हम बात कर रहे हैं राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित उपमंडल का गांव बड़वा की।

पनघट पर आई थी 'चंद्रो'

दक्षिण में स्थित कुएं का निर्माण यहां के दूसरे सेठों ताराचंद तथा हनुमान ने करवाया था। सेठ हनुमान व ताराचंद के पुत्रों ने गांव के रूसहड़ा जोहड़ पर चार स्तंभों वाला आकर्षक कुआं बनवाया। इसी के इर्द-गिर्द प्रसिद्ध हरियाणवी फिल्म चंद्रावल और बैरी के कुछ दृश्यों को फिल्माया गया। अंग्रेजों के जमाने की गाड़ी और रथ आज भी हवेलियों में मौजूद हैं। यहां विद्यमान ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा धार्मिक-धरोहरें गांव के अतीत के इतिहास को बयां कर रही है। हवेलियों की आयु का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है लेकिन यह सच है कि ये द्वितीय विश्वयुद्ध से पूर्व की है।

अंग्रेजों के जमाने की गाड़ी और रथ

बड़वा में एक दर्जन हवेलियां हैं। इनमें सेठ परशुराम की हवेलियां खासी प्रसिद्ध हैं। इन्हें बनवाने के लिए पिलानी से कारीगर बुलाए थे। अंग्रेजों के जमाने की गाड़ी और रथ आज भी हवेलियों में मौजूद है। हवेलियों से भी बढ़कर रोचक इतिहास यहां के कुओं तथा तालाबों का भी है। प्राचीन समय में इस स्थान पर एक छोटा सा कच्चा तालाब था। अक्सर सेठ परशुराम की बहन केसर यहां गोबर चुगती थी जो उनके लिए अशोभनीय था। लोगों के ताने सुनकर उन्होंने कच्चे तालाब की जगह एक ऐतिहासिक तालाब का निर्माण करवाया जिसकी पहचान अब केसर जोहड़ के रूप में होती है। इसी के इर्द-गिर्द प्रसिद्ध हरियाणवी फिल्म चंद्रावल और बैरी के कुछ दृश्यों को फिल्माया गया। प्राचीन समय में इस स्थान पर एक छोटा सा कच्चा तालाब था। भिवानी जिले के बड़वा गांव की सेठो की बड़ी-बड़ी हवेलियों के अलावा, तालाब, कुँवें, हवेलियां, नोहरा, धर्म शालाएं, छतरियां आदि में, अनेकों ऐसे चित्रण मिले हैं। इन चित्रों में राजस्थान के चित्रों जैसी विशेषताएं पाई गई।

सेठ परशुराम द्वारा निर्मित केसर तालाब-

यह तालाब सेठ परशुराम ने अपनी बहन की यादगार में बनवाया, कहा जाता है कि सेठ परशुराम ने यहाँ पर केसर तालाब का निर्माण करवाया जोकि यात्रियो का प्रमुख आकर्षण केंद्र रहा है। ऐसा कहा जाता है परशुराम की बहन गोबर चुगती थी। यह सेठ परिवार के लिए शर्म की बात थी और लोग अक्सर ऐसा छोटे कार्य के प्रति ताने मारते थे तब सेठ ने यहां पर मौजूद तालाब को पक्का करवाया और उसका नाम केसर तालाब रखा। इस तालाब का प्रयोग दैनिक क्रियाकलापों के लिए इस्तेमाल होता था। इसके पास एक गहरा जल कुंड है जिसमें दुखी महिलाऐं कूदकर अपनी जान दे ती थी, इसलिए इसको मुक्ति धाम भी कहा जाता है। यहां के लोग इसे आगौर भी कहते हैं। इस तालाब के किनारे के ऊपर की छत पर गुंबद/छतरियां बने हुए हैं जिनमें राधा कृष्ण की रासलीला को चित्रों के माध्यम से प्रमुखता से दशार्या गया है । इनमें राधा कृष्ण एक दूसरे का हाथ पकड़े घेरे में नृत्य कर रहे हैं और इनके पीछे वाद्य-यंत्रों की आकृतियां चित्रित की गई है जैसे ढोलक, नगाड़े, बाँसुरी, हारमोनियम, शहनाई आदि। और यह शायद किसी समारोह को चित्रित कर रहा है । चित्रों में गतिशीलता और लय है। लाल भूरे रंग उपयोग किया गया है।

श्रीकृष्ण को नीले रंग में दिखाया गया है जबकि राधा का रंग गोरा दिखाया गया है। इन आकृतियों के पीछे पशु पक्षियो को दिखाया गया है, जिनमें मोर, तोता, चिड़ियां आदि है। इसमें लाल, पीले, नीले रंग का इस्तेमाल किया गया है। गुंबद के केंद्र में वृत्ताकार ज्यामितीय अलंकरण किया गया है । गुंबदों की आकृतियों को गतिशील और समान अनुपात में दिखाया गया है। इनका छोटा कद व चेहरा गोल है। समय के अनुसार आज इनके रंग धूमिल पड़ गए हैं परन्तु केंद्र में फूल आज भी अपने अतीत को समाए हुए हैं।

सेठ हुकुम चंद लाला सोहन लाल की हवेली-

यह हवेली लगभग आज से डेढ़ सौ साल पुरानी है, जिसके प्रमुख द्वार पर एक हष्ट-पुष्ट हाथी को सुसज्जित एवं गतिशील अवस्था में दिखाया गया है। इस हाथी की पीठ एक चतुर्भज ज्यामीतिय डिजाइन का कपड़ा एवं उस पर लकड़ी की काठी को सुसज्जित किया गया है, जिसमें राजा-रानी आमने-सामने और सेवक पीछे चंवर ढूला रहा है। इसमें राजा रानी को फूल देता हुआ अपने प्यार का इजहार कर रहा है। हाथी केसर पर भी चकोर ज्यमीतिय आकार की टोपी रखी गई है जो उसकी शोभा बढ़ा रही है । इसके अलावा यहां दीवार पर धार्मिक चित्र मौजूद है जैसे विष्णु जी लक्ष्मी के साथ अपनी सवारी पर विराजित हैं तथा दूसरे चित्र में शेरावाली माता अपनी सवारी पर विराजित है। इसके अलावा चित्र यहाँ राधा रानी के प्रेम मिलाप को दर्शा रहा है। हाथी का चित्रण कोटा शैली में अधिक किया गया है ।

सेठ लक्ष्मीचंद का कटहरा-

बड़वा में लक्ष्मी चंद के कटहरा के अंदर छत पर राजाओं-महाराजाओं व देवी-देवताओं को एक साथ चित्रित किया गया है । इस चित्र में बाएं ओर से राधा रानी की सवारी को दिखाया गया है जो रथ पर सवार है तथा कुछ महिलाएं रथ के पीछे चल रही है जोकि उनकी सेविकाएं प्रतीत होती हैं । एक घुड़सवार एक हाथ में राज्य का निशान लिए चल रहा है तथा अन्य घुड़सवार पीछे पीछे चल रहे हैजो कि महाराज के अंगरक्षक हैं और सुरक्षा को सुनिश्चित कर रहे हैं। कृष्ण राधा की चोटी बनाते हुए -इस चित्र में श्री कृष्ण जी कुर्सी पर विराजे हैं और राधा मुड़े पर बैठी हैं। श्री कृष्णजी राधा की चोटी गूंथ रहे हैं और राधिका हाथ में शीशा पकड़े बैठी हैं। शीशे में राधा का चेहरा स्पष्ट दिर्खाइ दे रहा है। इस चित्र में दिखाए गए कुर्सी व मुड़े से इस चित्र पर स्थानीय प्रभाव नजर आता है तथा पहनावे से राजस्थानी प्रभाव नजर आता है।

इस प्रकार चित्रकार के चित्र में तत्कालीन प्रभाव नजर आते हैजो उस समय उसने देखा और चित्रित किया। इस चित्र में आंखें मछली के आकार जैसी , कंलगी व मुकुट से चित्रण में मुगल प्रभाव नजर आता है। पृष्ठभूमि हल्के पीले रंग की है तथा शरीर को पतला एवं लंबा दिखाया गया है जबकि बालों की लंबाई शरीर का अनुपात में कम है। दूसरी ओर दाएं से बाएं की ओर देवी देवताओं की सवारी आ रही है जिसमे सभी देवता अपने -अपने वाहन पर बैठे हैं तथा ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसा कि राजा रानी अपने रथ पर सवार होकर देवी देवताओं के स्वागत के लिए पधार रहे हैं। इन चित्रों में हाथी घोड़े आदि को बहुत अच्छे से सुसज्जित किया गया है। इनकी पृष्ठभूमि पीले रंग की है तथा चित्रों में नीला, पीला, हरा, भूरा, आदि रंगो का प्रयोग किया गया है। चित्रो के वस्त्र व आभूषणों को देख इन पर मुगली तथा राजस्थानी प्रभाव प्रतीत होता है।

.लाला लायकराम फूलचंद की हवेली-

यह हवेली लगभग 160 साल पुरानी है, इस हवेली की बरामदे की दीवार के ऊपरी भाग में सिपाही का चित्रण किया गया है। इसमें एक व्यक्ति घोड़े पर सवार है तथा तीन सिपाही आगे पीछे एक कतार में तथा पांच सिपाही समानांतर चल रहे हैं। इसकी पृष्ठभूमि पीली है। यह सिपाही पूरे जोश में दिर्खाइ पड़ रहे है।

तुलाराम लाला डूंगरमल की हवेली-

यह हवेली आज से लगभग 100 साल पहले की बनी हुई है। इसकी बाहरी दीवार पर रेल का इंजन डिब्बों सहित दिखाया गया है। इंजन का रंग काला एवं डिब्बों को नीले रंग से चित्रित किया गया है। रेल की खिड़की के ऊपर के भाग में जाली बनाई गई है जिसमें यात्रियों को दिखाया गया है एवं इंजन से धुआं निकल रहा है। रेलों के पीछे प्राकृतिक दृश्य भी दिखा रखा है । दूसरी ओर लक्ष्मीचंद का कटहरा में चालक रेलगाड़ी चला रहा है जोकि बहुत ही आकर्षक एवं सुंदर हैं इसमें 13 डिब्बे और एक इंजन को दशार्या गया है। इस गाड़ी में यात्रियों को भी चित्रित किया गया है एवं

डॉ. सत्यवान सौरभ
रिसर्च स्कॉलर, कवि, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार
मोबाइल : 9466526148, 01255281381
(मो.) 01255-281381 (वार्ता)
(मो.) 94665-26148 (वार्ता-वाट्स एप)
facebook - https://www.facebook.com/saty.verma333
twitter-https://twitter.com/SatyawanSaurabh

बाहर इसके सामने एक व्यक्ति हाथ में झंडी लिए खड़ा है जो गाड़ी के लिए एक संकेतक का कार्य कर रहा है ।इसे देखकर यह लगता है यह चित्र हिंदुस्तान में अंग्रेजों द्वारा 19वी सदी में चलाई गई पहली रेल का चित्रित किया गया है। यह चित्र उस समय की जीवंत व्यवस्था की व्याख्या कर रहा है। डाकिये का चित्र-यहां एक दीवार पर डाकिए का चित्र चित्रित हैं प्रतीत होता है तथा अंग्रेजी भाषा में इन पर कुछ लिखा होना जोकि इस शैली के प्रभाव इसकी आंखें मीनाकृतपान के पत्ते के समान हैं जिसे देख ऐसा प्रतीत होता है कि इस पर स्थानीय कलाकार का प्रभाव रहा है। कपड़े जूतें आदि देखकर इन पर कंपनी शैली का प्रभाव को और सुदृढ़ करता है।

यशोदा कृष्ण का चित्र-

इस चित्र में यशोदा मैया ने श्री कृष्ण को गोद में उठा रखा है तथा यह मातृत्व भाव को दर्शा रहा है। इस चित्र में चेहरा छोटा जबकि शरीर हष्ट पुष्ट बना है, आँखें बादाम जैसी तथा चेहरा गोल है और भोही मोटी-मोटी है। सिर पर कंलगी लगी हुई है जोकि मुगल प्रभाव को दशार्ती है। अगर कपड़ों की तरफ देखें तो कपड़ों से राजस्थानी प्रभाव नजर आता है।

कृष्ण व कालिया नाग का चित्र-

चित्र में श्री कृष्ण को नाग पर अपनी लीलाएं करते हुए दिखाया गया है। श्री कृष्ण बांसुरी बजा रहे हैं तथा उनके दोनों और नाग देवियां विशेष मुद्रा में खड़ी हैं जिनका नीचे का हिस्सा सर्प अवस्था में और ऊपर से नाग देवी के रूप में दिखाया गया है । अर्थात अर्ध नागेश्वरी के रूप में उपस्थित हैं जो कि श्री कृष्ण की तरफ मुख करके हाथ जोड़कर विनती अवस्था में खड़ी है । इस चित्र में एक चश्म चेहरों की आकृति में दशार्या गया है। आंखें मीन जैसी हैं जोकि जयपुर शैली के अंतरगत । पूरे चित्र पर नाथद्वारा शैली का प्रभाव प्रमुखता से दिखाया गया है।

सरस्वती देवी का हंस पर विराजित चित्र-

इस चित्र में सरस्वती देवी हंस पर विराजित हैं तथा हंस के मुख में माला है, यहां एक चश्म चेहरा चित्रित अवस्था में दिखाया गया हैं। सरस्वती मां के एक बाल की लटा कान के पास से चेहरे पर पड़ी है। सरस्वती माँ के एक हाथ में पुस्तक और दूसरे हाथ में फूल हैं जिन्हें हरे रंग से चित्रित किया है। इस चित्र में पीछे महिला चंवर झुला जैसे प्रतीत होती हैं। इसमें दोनों राजस्थानी व मुगल प्रभाव का मिश्रण प्रतीत होता है।

चित्रकार ने अपनी अपनी समझ के अनुसार छवियों के अंदर भेद किया है । हिंदू मिथक के अनुसार देवी सरस्वती को विद्या और संस्कृति की देवी माना गया है। ऋग्वेद में सरस्वती की ख्याति एक पवित्र सरिता के रूप में है। सरस्वती को हंस रूप दिखाया गया है। हरियाणा के अनेक हिंदू आस्था स्थलों पर बनाए गए भवनों और आवासीय भवनों में देवी सरस्वती की छवियों का अंकन हमें भित्ति चित्रों के रूप में उपलब्ध है।

हवेलियों का निर्माण

भित्ति चित्रों में कलात्मकता भिवानी जिले के अन्तरगत आने वाले गांवों में अनेक पुरानी हवेलियों पर भित्ती चित्र पाए गए, इन हवेलियों का निर्माण लगभग 100-150 वर्ष पूर्व माना गया है। इन हवेलियों का निर्माण कुम्हार जाति के राज मिस्त्रिओं के द्वारा लाखोरी ईटों से किया गया है। भित्ति अलंकरण के लिए चूने का प्रयोग किया गया। इन हवेलियों पर हजारो की संख्या में भित्ति चित्र मिले। इन चित्रो में पौराणिक विषय, महाभारत, रामायण, राधा कृष्ण लीला, पशु पक्षी, सामाजिक क्रिया कलाप एवं अन्य पौराणिक कथाओं से सम्बंधित घटनाओं को प्रमुख रूप से दर्शा या गया है। इसके अलावा उस दौर के राजा महाराजाओं के गौरव गाथाओं का सुंदर चित्रण किया गया। इनके द्वारा महत्वपूर्ण न घटनाओं, प्रसंगों , पात्रों, लीलाओ के आदि पात्रो को चित्र के माध्यम से दशार्या गया। उन्होंने राधा कृष्ण को अधिक मात्रा में और गणेश जी को रिद्धि सिद्धि के साथ

दरवाजे के प्रवेश द्वार पर या हवेलियों के बाहर टोडो के बीच में चित्रित किया गया। पटना एवं कम्पनी शैली के प्रमुख विषयों में व्यक्ति चित्र,पशु-पक्षी एंव साधारण लोगों के व्यक्ति चित्र थे पशुओं में प्रमुखतः हाथी एंव घोंडों या उनकि सवारियों का अंकन किया गया।

शैलियों का प्रभाव

इन चित्रों में शेखावटी शैली का प्रभाव दिखाई पड़ता है और यह मुगल शैली से भी अछूते नहीं रहे हैं क्योंकि दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों में मुगल शैली का प्रभाव रहा हैं , उसका विस्तार आसपास के क्षेत्रों में खूब हुआ। लेकिन इसके बावजूद यहां की परम्परागत शैली का भी बोलबाला रहा है। इन चित्रों में कहीं-कहीं दक्षता का बोलबाला और तो कहीं अभाव प्रतीत होता है। लेकिन फिर भी यह अपने भावों को प्रकट करने में सक्षम रही है। इनकी गुणवत्ता व विषय प्रभावशाली रहे है। आज देखरेख के अभाव में देखभाल के अभाव में और इनका ठीक से प्रयोग न करने पर बहुत से चित्र इन हवेलियों से नष्ट हो गए हैं या धुएँ की परत जम चुकी है और इसके कारण यह चित्र रंगों का चटकपन खो चुके हैं लेकिन भीतरी दीवारों पर मौजूद चित्र धूप और बारिश से बचे होने के कारण अपने मूल अवस्था को आज भी संजोए हुए हैं।

किन्होंने बसाया बड़वा गाँव

बड़वा गांव को बसाने वाले ठाकुर बाघ सिंह तंवर राजपूत वंश से संबंध रखते थे, शायद इसलिए इस गांव की हवेलियों में चित्रांकन करने वाले चितेरे राजपूत क्षेत्र से आए हो । इन चित्रों पर राजपूताना परम्पराओं और उनकी जीवनशैली का प्रभाव दिखाई पड़ रहा है। हवेलियों के चित्रों पर राजपूत व राजसी परिधान का प्रभाव दिखाई पड़ता है। राजसी लोग पशु पक्षी जैसे तोता, हाथी, घोड़ा, ऊंट, आदि पशुओं को पालतू बनाकर रखते थे और शायद इसी कारण उन्हें ही भित्ति-चित्रों के प्रारूप में चित्रित करते थे।अजन्ता की गुफाओं में मनुष्य और महान आत्मा के अन्तर को व्यक्त करने के लिए ये नृत्य मुद्राएं अति उपयुक्त थी पैर की मुद्राओं का भी अजन्ता के चित्रों में विशेष स्थान हैं।

कई सेठ लोगों ने अपने-अपने वैभव, सामाजिक प्रतिष्ठा को दर्शाने लिए हवेलियों का निर्माण करवाया और उन हवेलियों पर चित्रण कराए गए जोकि वहां मौजूद परपरागत आकृतियों एव चित्रों से कुछ भिन्न प्रतीत होते हैं । बड़वा गांव में ठाकुर की हवेली का निर्माण (गाँव का गढ़) लगभग 1910 ईसवी के आसपास मुस्लिम कारीगरों द्वारा निर्मित की गई थी इसलिए शायद यहां के चित्रों पर मुगल शैली का प्रभाव दिखाई पड़ता है।उस दौरानलोक शैली में शरीर के विभिन्न अवयव और परिदृश्य के अनुपात आदि का ध्यान नहीं रखा जाता था चित्रों में प्रतीकात्मक भी बनाया गया है तथा चित्रों में प्राकृतिक दृश्य दिखाए गए हैं।

विरासत सहेजने के प्रयास

गाँव के युवा दोहाकार सत्यवान सौरभ ने बताया कि हवेलियों के रखरखाव के लिए वे कई बार सरकार को लिख चुके हैं। पिछले दो दशकों से वो लगातार गाँव की बहुमूल्य सांस्कृतिक विरासत पर लेख लिक रहे है अभी तक न तो सरकार ने और न ही इन हवेलियों के पुश्तैनी मालिकों ने इनके रख-रखाव के लिए कोई सकारात्मक कदम लिया है सत्यवान सौरभ ने ये भी बताया की कुरुक्षेत्र विश्विधालय के धरोहर विभाग के अधिकारी लगातार उनके संपर्क में है कि कब इनके पुश्तैनी मालिक इनको सहेजने की हामी भरे ताकि सरकारी तौर पर इनको संग्रहालय में रखवाया जा सके ताकि आने वाली पीढ़ियां इनके दीदार कर सके !

डॉ- सत्यवान सौरभ, रिसर्च स्कॉलर, कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट, 333, परी वाटिका, कौशल्या भवन, बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा झ 127045

अजीत पवार ने शिंदे पर किया कटाक्ष

मुंबई : ईडी सरकार के मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभालने के बाद से ही जिस प्रकार से एकनाथ शिंदे हर मौके पर कैमरामैन और फोटोग्राफर को लेकर जा रहे हैं, इसको लेकर प्रतिपक्ष के नेता अजीत पवार ने शिंदे पर करारा कटाक्ष किया है। अजीत पवार ने कहा कि अनेक वर्षों से गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। हम भी दर्शन के लिए जाते हैं लेकिन कैमरा लेकर नहीं जाते हैं। पहले कई लोग शोमैन थे, अभिनेता राज कपूर शोमैन थे, वैसे कई लोग अब जाते दिखाई दे रहे हैं, ऐसा कटाक्ष अजीत पवार ने किया। इसके पहले अजीत पवार ने शिवाजी पार्क पर एकनाथ शिंदे की दशहरा रैली को लेकर भी जमकर खिंचाई की थी। कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण सहित कांग्रेस के कई विधायक टूटनेवाले हैं, इस सवाल पर अजीत पवार ने कहा कि इस संदर्भ में देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है, कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण से राजनीतिक मुलाकात नहीं हुई। वर्तमान में मीडिया द्वारा दी जानेवाली खबरों में कोई तथ्य नहीं होता है।

जिन राज्यों में भाजपा की सत्ता आई, उन राज्यों में चुनाव से पहले सांप्रदायिक दंगे हुए - जाधव

मुंबई : शिवसेना नेता और विधायक भास्कर जाधव महाराष्ट्र के दौरे की शुरूआत करने वाले हैं, इसके पहले जाधव ने गुहागर में शिवसेना कार्यकताओं से मुलाकात की। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए जाधव ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भाजपा महाराष्ट्र में दंगा करा सकती है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति पर बोलते हुए जाधव ने कहा कि पूरे देश की राजनीतिक परिस्थिति को देखेंगे तो यह बात ध्यान में आ जाएगी, जिन-जिन राज्यों में भाजपा की सत्ता आई, उन-उन राज्यों में चुनाव से पहले सांप्रदायिक दंगे हुए हैं। सांप्रदायिक दंगे फैलाए हैं या फैलाना है, यह इतिहास है। शिवसेना को समाप्त करने के सभी मार्ग समाप्त हो गए हैं, अंतिम मार्ग के रूप में राज्य में कदाचित सांप्रदायिक दंगा कराने का प्रयत्न हो सकता है। ऐसा प्रयास ढाई साल पहले भी हुआ था।

कारण कि मुंबई मनपा का चुनाव जीतना है। मुंबई मनपा को जीतना है तो राज्य में सांप्रदायिक दंगा कराने के सिवाय कोई पर्याय नहीं है। उन्हें यह बात पता चल गई

है। शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे का अतिशय सौम्य और सभ्य नेतृत्व राज्य के सभी जाति- धर्म के लोगों को पसंद है। मुस्लिम समाज को भी उद्धव ठाकरे का नेतृत्व पसंद है। इसी बात का भाजपा को दुख है।

गरीबों की पहुंच से बाहर हो रही है भारतीय रेल

मुंबई : भारतीय रेल आए दिन कोई न कोई ऐसे आदेश जारी कर देती है, जिसका असर आम जनता पर सीधे तौर पर पड़ता है। अब रेलवे ने एक ऐसा आदेश जारी किया है, जिसमें भारतीय रेल गरीबों की पहुंच से बाहर हो जाएगी। खासकर दूर दराज के गांवों-कस्बों में रहनेवालों के लिए रेल की सवारी एक सपने से कम नहीं होगी। दरअसल रेलवे ने अपने आदेश में कहा है कि अब एक्सप्रेस ट्रेनों को उन्हीं स्टेशनों पर स्टॉपेज मिलेगा, जिनकी टिकट से रोजाना की आय १५ हजार रुपए से ज्यादा होगी। मतलब साफ है कि १५,००० रुपए से कम की कमाई वाले स्टेशनों पर एक्सप्रेस

ट्रेनें नहीं रुकेंगी। नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस को लक्ष्मीपुर स्टेशन पर और गोरखपुर-मैलानी एक्सप्रेस को बृजमानगंज स्टेशन पर स्टॉपेज दिया गया है। इसी तरह मुजफ्फरपुर-बनारस बापूधाम एक्सप्रेस को सिसवा बाजार स्टेशन पर रोक दिया गया है। इन सभी स्टेशनों पर यात्रियों से होनेवाली आय १५,००० रुपए से अधिक है। यानी जिन स्टेशनों पर रेलवे द्वारा निर्धारित आमदनी नहीं होगी, वहां पर ट्रेनों का स्टॉप नहीं मिलेगा। अभी तक पांच हजार की आय पर अस्थायी रोक की सुविधा थी। रेलवे बोर्ड के उप निदेशक (कोचिंग) विवेक कुमार सिंघा ने २९ अगस्त को इस संबंध में आदेश जारी किया है। एक स्टेशन पर ट्रेन रुकने का खर्च लगभग २५,००० रुपए होता है। दरअसल जानकारों के मुताबिक एक स्टेशन पर ट्रेनों को रोकने पर करीब २५ हजार रुपए खर्च होते हैं, जिसमें बिजली, डीजल, कर्मचारियों का वेतन, साफ-सफाई, यात्री सुविधा आदि शामिल है। रेलवे प्रशासन उन स्टेशनों से स्टॉपेज खत्म करने जा रहा है, जहां २० से कम यात्री सवार होते हैं। उत्तर-पूर्व रेलवे में २० से ज्यादा ऐसे स्टेशन हैं, जहां यात्रियों की संख्या काफी कम है। हालांकि आदेश जारी होने तक जिन स्टेशनों पर ट्रेनों का ठहराव है, वे यथावत जारी रहेंगे।

तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना!

मुंबई : मौसम विभाग ने मुंबई में तीन दिनों तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। इस बीच गणेशोत्सव पंडालों में शॉर्टसर्किट या अन्य घटनाएं हो सकती हैं। एहतियातन सभी गणेश मंडलों को सतर्क रहने का आदेश दिया गया है। इस तरह की आपात स्थिति की संभावनाओं के बीच मुंबई मनपा के आपातकालीन प्रबंधन विभाग से संपर्क करने की अपील की गई है। यह निर्देश

बृहन्मुंबई सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति ने सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों के लिए जारी किया है। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल पिछले दो वर्ष गणेशोत्सव नहीं मना पाए थे। कोरोना संक्रमण नियंत्रण में आने के बाद इस साल गणेशोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। शार्टसर्किट होने या भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण मंडप के क्षतिग्रस्त होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। मंडपस्थल पर बारिश का पानी जमा होने से दुर्घटना हो सकती है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गणेश मंडलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता एहतियाती कदम उठाएं।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षकों के आशीर्वाद से चल रहे हैं नवी मुंबई में

बिंगो रोलेट जैसे अवैध जुगार के अड्डे

(पेज १ का शेष....)

नवी मुंबई के पुलिस उपायुक्त श्री **प्रवीण कुमार पाटिल** को लिखा और साथ में विडियो की एक मेमरी कार्ड जोड़ा श्री पाटिल साहब ने विडिओ देखने के बाद **खारघर पुलिस थाना** में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक **प्रदीप तिदार** को **एंजल फ्लोरा सलून एंड स्पा** पर तत्काल कानूनी कारवाई करने का आदेश दिया। **प्रदीप तिदार** ने आदेश का पालन करने के बजाये अपने आर्डली श्री पालवे से स्पा मालकिन को फोन करके मिलने को बुलाया और मालकिन को **प्रवीण कुमार पाटिल** साहब का लिखित आदेश दिखाया और कहा कि ''मुझे कानूनी कारवाई तो करनी पड़ेगी'' इस तरह से पाटिल साहब पत्र दिखाने के बाद स्पा मालकिन से **प्रदीप तिदार** ने एक लाख रुपये इस एवज में लिये कि वह पीटा एक्ट के तहत कानूनी कारवाई नहीं करेंगे। एक मामूली सी धारा जो लोग खुले सडक में लोगों के बीच लड़का और लड़की छेड़ छाड़ करने पर कायदा १, ३, ५, ७, २९४ के तहत मामूली सी कानूनी कारवाई करके एक घंटे में मामले को रफा दफा कर दिया। इस पर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि **प्रदीप तिदार** कितने हद तक रुपयों की खातिर जा सकते है। जो उन्होंने अपने वरिष्ठ आधिकारी, पुलिस उपायुक्त (गुन्हे) **श्री. प्रविण कुमार पाटिल** का आदेश नहीं माना और मामले को रफा दफा कर दिया। इससे नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त समझ सकते है कि बिंगो रोलेट जैसे अवैध जुआ चलाने वालों के लिये **प्रदीप तिदार** जैसे पुलिस अधिकारी कितने फायदेमंद साबित होंगे। **प्रदीप तिदार** ने भी हर माह अवैध बिंगो रोलेट गेम से रुपये वसूलने का काम पुलिस उप निरीक्षक अवधूत जाधव (९५९४९७३४०९) नामक अधिकारी को दिया है जो हर माह प्रति बिंगो से १,६०,००० (एक लाख साठ हजार) रुपये के हिसाब से वसूलते हैं।

ए.पी.एम.सी.पुलिस थाना के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक **माणिक**

माणिक नलावडे (व.पु.नि.)
एपीएमसी, पुलिस थाना

नलावडे साहब भी पीछे नहीं हैं। इन्होंने तो पुलिस उप निरीक्षक धमाले (८७७९४१३०९४) को रुपये वसूलने की जिम्मेदारी दी है इन्होने एक सोपान (८४५१९९७७७) नामक निजी व्यक्ति को रुपये लाने के लिये रखा है ।

सानपाड़ा पुलिस थाना के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक **भरत कामत** भी काफी लोगो के बिच चर्चा का विषय बने हुए है। इनके

भरत कामत (व.पु.नि.)
सानपाडा पुलिस थाना

किस्से कहानियां तो लोग बड़े ढंग से बताते हैं। इन्हें कोई भी अवैध धंधे वाला सीधे संपर्क कर सकता है। इन्हें मिलने के लिये किसी के पहचान की जरुरत नहीं पडती है और यह हर एक अवैध धंधे वालों से मिलने में कोई एतराज नहीं समझते। एक बार अवैध धंधे वालों से जो हर माह रुपये तय हो जाने पर फिर यह अपने ऑर्डली तारा पाटिल (८६९३८२१६१६) को हर माह रुपये लाने की जिमेदारी देते हैं, जिसे बड़ी मेहनत और लगन के साथ तारा पाटिल हर माह बिंगो रोलेट वालो से रुपये वसूलकर लाते हैं। इतना ही नहीं वाशी परिमंडल क्र.-१ के पुलिस उपायुक्त श्री विवेक पानसरे साहब के नाम से भी श्री. सचिन गोसावी नामक पुलिस (९५९४९०५७६६ / ७३०४०८५३७८) अधिकारी इन सभी बिंगो रोलेट गेम वालो से हर माह ३०-३० हजार रुपये लिया करता है। नवी मुंबई पुलिस की समाजसेवा शाखा इन बिंगो रोलेट जुए के अड्डों से अनभिज्ञ है। अगर उनको ज्ञात होता तो जरूर इन अड्डों पर कार्रवाई करके उनको ध्वस्त कर देती, ऐसा हमें समाजसेवा शाखा के अधिकारियों पर विश्वास है।

हम अपने समाचार पत्र के माध्यम से नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त से यह जानना चाहते हैं कि १) आपके आदेश का पालन यह वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक क्यों नहीं करते हैं? २) क्या इन अवैध जुए के अड्डों पर मामूली सी कार्रवाई दिखाकर आपको गुमराह किया जाता है? ३) या फिर अपने परिसर में ऐसा कोई जुए का अड्डा है ही नहीं ऐसी गलत जानकारी आपको दी जाती है।

क्या आपसे इन भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई करके इस **बिंगो रोलेट** लॉटरी जैसे खतरनाक जुए से नवी मुंबई को मुक्त कराएंगे? या नहीं? यदि कराएंगे तो आपकी छवि जनमानस में एक अच्छे आय.पी.एस. अधिकारी के रूप में बनी रहेगी और यदि नहीं तो यह बात हमें विश्लेषण करने की जरूरत नहीं है।

बेरोजगारी में नंबर वन हरियाणा: युवाओं के साथ खेलती सरकार, क्यों नहीं हो रही भर्तियां?

अगर सरकार की मंशा ही है तो आखिर क्यों राज्य में लाखों पदों के खाली होने के बावजूद यहां के औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में आईटीआई इंस्ट्रक्टर के पदों पर भर्ती नहीं होती? शिक्षकों के खाली पदों को क्यों नहीं भरा जाता? एचएसआईआईडीसी एवं पुलिस के चयनित उम्मीदवारों को जॉइनिंग क्यों नहीं दी जाती? सरकार को इन बातों का युवाओं को जवाब देना चाहिए। इन सबके अलावा हजारों पद ग्रुप डी और ग्रुप सी श्रेणी के खाली पड़े हैं और हरियाणा के करोड़ों युवा दिन रात मेहनत कर इन परीक्षाओं की तैयारियां कर रहे हैं। सरकार क्यों उनका एग्जाम लेकर तुरंत इन भर्तियों को पूरा नहीं करती? क्यों कोर्ट और कर्मचारी चयन आयोग के बीच बार-बार इन भर्तियों को उलझा कर रखा जाता है? और युवाओं को पेंडुलम बनाकर रख दिया है। आखिर सरकार की मंशा क्या है? यहां के मुख्यमंत्री सीधे तौर पर युवाओं से संवाद क्यों नहीं करते? उनकी समस्याओं को क्यों नहीं सुनते? उनके प्रश्नों का जवाब क्यों नहीं देते?

-प्रियंका 'सौरभ'

आज हरियाणा देशभर में बेरोजगारी में कई सालों से पहले स्थान पर है। देश और प्रदेश में बेरोजगारी और महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। हरियाणा बेरोजगारी में 35.1% के साथ देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश में 18 से लेकर 40 वर्ष तक का हर दूसरा युवा बेरोजगार है। हरियाणा की इस उपलब्धि में सीधा-सा सरकार का हाथ है, कई सालों से यह छोटा-सा राज्य पहले स्थान पर काबिज है। हरियाणा में लाखों पदों की रिक्तियों के बावजूद साल 2014 से क्यों तरस रहे हैं नौकरी के लिए युवा? कौन जिम्मेदार है। क्यों विभिन्न विभागों में लाखों पदों के खाली होने के बावजूद सरकार की मंशा नहीं है कि इन पदों को भरा जाए। और न ही हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों को चिंता कि वह सरकार से इन पदों को भरने के लिए कहे।

दिल्ली से लगे हरियाणा राज्य में भर्तियों का हाल यह है कि साल 2014 से विज्ञापित बहुत से पदों का परिणाम आज तक जारी नहीं हुआ। अगर कोई परिणाम जारी हो भी गया तो वह भर्तियां कोर्ट में लटकी हुई है। चयनित आवेदक जॉइनिंग को लेकर तरस रहे हैं। शिक्षा विभाग में पिछले 8 सालों में कोई भर्ती नहीं हुई है जबकि हरियाणा के लाखों युवा हर साल राज्य पात्रता परीक्षा पास करते हैं। इस आस में कि वो एक दिन अध्यापक बन कर देश के सुनहरे भविष्य का निर्माण करेंगे। मगर अब तो उनका खुद का भविष्य अंधकार में खो गया है। हरियाणा में भर्ती प्रणाली और कर्मचारी चयन आयोग की कार्यशैली कि बानगी देखिए। पारदर्शिता के नाम पर यहां रोज नए- नए नियम बनाए जाते हैं तो कभी कॉमन भर्ती टेस्ट के नाम पर युवाओं को बहलाया जाता है। तरह-तरह के सब्जबाग दिखाए जाते हैं। बेरोजगार युवा उनका पीछा करते हैं मगर आखिर हाथ कुछ नहीं लगता।

आज हरियाणा के युवाओं की स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि यहां के करोड़ों युवा पहले तो खाली पदों के लिए विज्ञापन के लिए सरकार से प्रार्थना करते है, बात नहीं बनती तो मजबूरी में आंदोलन करते हैं। सही समय पर पेपर नहीं होते तो फिर उनके एग्जाम के लिए आंदोलन कर सड़कों पर आते हैं। पहली बात तो एग्जाम होता ही नहीं, होता है तो बार-बार लीक होता है। अगर कोई एग्जाम पूर्ण हो भी जाता है तो उसके परिणाम के लिए आवेदक सालों तक इंतजार करते हैं या फिर राजनीतिज्ञों की कोठियों पर चक्कर लगाते हैं। अगर परिणाम जारी भी हो जाता है तो जॉइनिंग के लिए सालों तक इन बेरोजगार युवाओं को इंतजार में बैठा रहना पड़ता है या फिर वही भर्तियां ऐसे मोड़ पर लाकर कोर्ट में उलझा दी जाती है।

-प्रियंका सौरभ

उदाहरण के लिए यहां के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में लगभग 3000 पदों की इंस्ट्रक्टर की भर्ती पिछले 9 सालों से पेंडिंग है। युवाओं के अथक प्रयासों के परिणाम स्वरुप कुछ पदों का परिणाम जारी हुआ है, मगर जॉइनिंग उनकी भी नहीं हुई । यही नहीं मुख्य ट्रेड वाली बड़ी भर्ती का परिणाम अभी भी कर्मचारी चयन विभाग ने रोका हुआ है। एक-एक, दो-दो पोस्ट वाली कैटेगरी का परिणाम जारी करके ये कह दिया जाता कि हम परिणामी लिस्ट दे रहें है। भर्ती के नियमों में स्पष्टता के अभाव में भर्तियां कोर्ट और आयोग के बीच झूलती रहती है। आखिर क्यों आयोग विज्ञापन जारी करते हुए स्पष्ट नियम नहीं बनाता। आखिर उनकी मंशा क्या है? क्यों युवाओं को बेरोजगारी के साथ-साथ कोर्ट और आयोग के बीच पिसना पड़ रहा है ? स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि कॉमन टेस्ट के नाम पर हरियाणा के लाखों युवा एग्जाम के इंतजार में घर बैठे हैं लेकिन सरकार है कि समझती ही नहीं। आखिर क्यों हरियाणा सरकार को अपने द्वारा की गई एक-दो छुटपुट भर्तियों की ही जांच बार-बार करनी पड़ रही है? हरियाणा सरकार की दो ऐतिहासिक भर्तियां ग्रुप डी और क्लर्क की आए दिन जांच बैठती है। ग्रुप डी को तो वोट बैंक का जरिया कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी क्योंकि यह भर्ती पिछले चुनाव से थोड़े दिन पहले रातों-रात बिना किसी वेरिफिकेशन के आनन-फानन में की गई थी। कुछ ऐसा ही हाल क्लर्क की 5000 पदों की भर्ती का हुआ जिसका संशोधित परिणाम अब सालों बाद भी जारी हो रहा है। परिणाम स्वरुप हजारों युवाओं का भविष्य अंधकार में खो गया है, गलती करें कोई, भरे कोई। हरियाणा पुलिस में हर साल हजारों पदों की भर्ती का ढिंढोरा पीटने वाली सरकार पिछले 3 साल से चल रही कॉन्स्टेबल की भर्ती को भी पूरा नहीं कर पाई है। इस भर्ती के लिए लाखों युवाओं ने मेहनत की, लेकिन यह भर्ती आज भी सरकार की मंशा के अभाव में पूर्ण नहीं हुई है। आलम यह है कि हरियाणा के हर विभाग में लाखों पद खाली है लेकिन सरकार इन पदों को भरना नहीं चाहती। तभी तो हरियाणा बेरोजगारी में नंबर वन है। अगर ऐसे ही चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हरियाणा बेरोजगारी के साथ-साथ चोरी, लूट और अन्य आपराधिक घटनाओं में में नंबर वन पर होगा। हरियाणा सरकार के एचएसआईआईडीसी में निकली 200-300 पदों की विभिन्न श्रेणियों की भर्तियां आज चयन के बावजूद जॉइनिंग के लिए तरस रही है। आखिर क्यों वहां के विभागाध्यक्ष और सरकार इन युवाओं को जॉइनिंग नहीं दे रहे। इसमें युवाओं की क्या गलती है कि वह चयन के बाद भी सालों तक घर बैठे जॉइनिंग का इंतजार कर रहे हैं। परिणाम यह है कि आज यहां का पढ़ा लिखा युवा नौकरी के अभाव में अपना घर बसाने को तरस रहा है क्योंकि भर्तियां नहीं होने की वजह से युवा लगातार तैयारी करते रहते हैं। उम्र बढ़ती जाती है और वह रोजगार के अभाव में शादी के लिए सही समय पर सोच नहीं पाता। हर साल प्रदेश के लाखों युवाओं को अध्यापक पात्रता परीक्षा के नाम पर लूटा आ जाता है लेकिन शिक्षकों भर्तियां नहीं निकाली जाती। भर्ती नहीं तो पात्रता परीक्षा क्यों ? आज शिक्षकों के लाखों आवेदकों की राष्ट्रीय पात्रता सर्टिफिकेट की वैधता समाप्त होने के कगार पर है, बार-बार परीक्षा पास कर वो थक चुके है, टूट चुके है। शिक्षकों के हजारों पद खाली होने के बावजूद न तो यहां का शिक्षा विभाग और न ही यहां की सरकार इन पदों को भरने का सोच रही है। उल्टे यहां के हजारों सरकारी स्कूलों पर बंद होने की नौबत आ गई है। आखिर क्या होगा गरीब और निचले तबके के बच्चों का और नौकरी की आस में बैठे हरियाणा के मेधावी और शिक्षित युवाओं का।

देखे तो पिछले 8 सालों में यहां की सरकार के द्वारा स्वास्थ्य विभाग में नाममात्र के कुछ पदों को भरने के अलावा किसी भी विभाग में कोई भर्ती अच्छे से पूर्ण नहीं हुई है। जिससे युवाओं को संतोष हो। स्वास्थ्य विभाग में हुई भर्तियों को वक्त का तकाजा कहे या सरकार की मजबूरी क्योंकि कोरोना काल की वजह से इनको पैरामेडिकल स्टाफ की भर्तियां मजबूरी में करनी ही पड़ी और यह भर्तियां भी आवेदकों के सड़कों पर उतरने के बाद पूर्ण हुई है। आखिर क्यों यहां के मुखिया ने युवाओं को सड़कों पर उतरने मजबूर कर दिया है? युवा आज अपने हकों के लिए हरियाणा सरकार के विरोध में आ खड़ा हुआ है। सरकार को सोचना होगा, सोचना ही नहीं उनकी परेशानियों का हल ढूंढना होगा। तभी एक स्वर्णिम हरियाणा का निर्माण कर पाएंगे।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक,मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स,४९६,पंचशील नगर१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं३,
तिलक नगर, चेम्बुर, मुंबई४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू),मुंबई४०००८३ से प्रकाशित किया ।
संपादक सिराज चौधरी मो. ९७७३६२२९६७